Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2024

एम.ए. संस्कृत, चतुर्थ सत्रम्

प्रश्न-पत्र : दशरूपक व नाट्यशास्त्र

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. दशरूपक के अनुसार निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए
   अर्थोपक्षेक, सन्धियाँ, अर्थप्रकृतियाँ
2. रूपक के दश भेदों का नामोल्लेख करते हुए प्रकरण एवं नाटिका पर निबन्ध लिखिए।
3. दशरूपक के अनुसार 'वस्तु नेता रसस्तेषां भेदकः' इस वाक्य की सारगर्भित व्याख्या कीजिये।
4. नाटकों की उत्पत्ति के सम्बन्ध में भरतमुनि द्वारा प्रतिपादित विचारों पर सारगर्भित आलेख लिखिए।
5. प्रेक्षागृह के सम्बन्ध में भरतमुनि के चिन्तन की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. दशरूपककार आचार्य धनञ्जय के कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।
7. पताका एवं प्रकरी की व्याख्या कीजिए।
8. 'भाप' पर एक सुन्दर टिप्पणी कीजिए।
9. संफेट एवं चूलिका का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।
10. नाट्यशास्त्र को नाट्यवेद क्यों कहा जाता है स्पष्ट कीजिए।
11. मत्तवारणी एवं जर्जर का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
12. नाट्यशास्त्र निर्माण का प्रयोजन भरतमुनि के अनुसार लिखिये।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2024

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
साहित्यम्, प्रश्न-पत्र : द्वितीयपत्रम्
काव्यशास्त्र

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अर्थव्यञ्जकतायाः वैविध्यं सोदाहरणं प्रस्तूयताम्।
2. "ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।
   उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो गुणाः"।।
   – कारिकामिमां व्याख्याय काव्ये गुणस्य स्थानं प्रतिपाद्यताम्।
3. राजशेखरोक्तदिशा सप्तममङ्गं किमिति सप्रसङ्गं सयौक्तिकं सोदाहरणं च प्रस्तूयताम्।
4. "शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि।
   बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणी"।। – कारिकामिमां सम्यक् विशदयत।
5. कतिविधा कविव्यापारवक्रता? काश्च ताः?

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. पुराणस्य किं लक्षणं प्रदत्तं राजशेखरेण?
7. मम्मटोक्तरीत्या अर्थाः कतिविधाः?
8. कति विद्यास्थानानि? कानि तानि?
9. 'वैदग्ध्यभङ्गिभणितिरित्यनेन किमभिप्रेतं कुन्तकेन?
10. मम्मटोक्तरीत्या गुणस्य कति भेदाः?
11. 'पञ्चमो नाट्यवेदः' इति कस्य मतम्?
12. अनुप्रासालंकारस्य किं लक्षणम्?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2024

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
साहित्यम्, प्रश्न-पत्र : तृतीयपत्रम्
चम्पू व नाटक

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए तथा निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

विरुद्धयोर्भृशमिव मन्त्रिमुख्ययोर्महावने वनगजयोरिवान्तरे।
अनिश्चयाद् गजवशयेव भीतया गतागतर्ध्रुवमिह खिद्यते श्रिया।।

2. राक्षस का चरित्र-चित्रण कीजिए तथा निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

सद्यः क्रीडारसच्छेदं प्राकृतोऽपि न मर्षयेत्।
किमु लोकाधिकं तेजो बिभ्राणः पृथिवीपतिः।।

3. मुद्राराक्षस के सभी अंकों का नामोल्लेख करते हुए संक्षिप्त सार लिखिए।

4. कर्णभारम् के रचनाकार का जीवन-परिचय लिखिए तथा इसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. श्लेषयुक्त अर्थों को दर्शाते हुए निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

ब्रह्मण्योऽपि ब्रह्मवित्तापहारी स्त्रीयुक्तोऽपि प्रायशो विप्रयुक्तः।
सद्वेषोऽपि द्वेषनिर्मुक्तचेताः को वा तादृग्दृश्यते श्रूयते वा।।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

मित्राणि शत्रुत्वमुपानयन्ति मित्रत्वमर्थस्य वशाच्च शत्रून्।
नीतिर्नयत्यस्मृतपूर्ववृत्तं जन्मान्तरं जीवत एव पुंसः।।

7. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

उत्फुल्लगल्लैरालापाः क्रियन्ते दुर्मुखैः सुखम्।
जानाति हि पुनः सम्यक्कविरेव कवेः श्रमम्।।

8. चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

9. कर्णभारम् के प्रथम अंक का सार लिखिए।

10. निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

वत्स, श्रोत्रियाक्षराणि प्रयत्नलिखितान्यपि नियतमस्फुटानि भवन्ति। तदुच्यतामस्मद्वचनात् सिद्धार्थकः। एभिरक्षरैः केनापि कस्यापि स्वयं वाच्यमिति अदत्तबाह्मनामानां लेखं शकटदासेन लेखयित्वा मामुपतिष्ठस्व। न चाख्येयमस्मै चाणक्यो लेखयतीति।

11. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

अयं स कालः क्रमलब्धशोभनो गुणप्रकर्षो दिवसोऽयमागतः।
निरर्थमस्त्रं च मया हि शिक्षितं पुनश्च मातुर्वचनेन वारितः।।

12. नलचम्पू के रचनाकार का जीवन-परिचय लिखिए।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2024

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
साहित्यम्, प्रश्न-पत्र : चतुर्थपत्रम्
आधुनिक काव्य व विश्वकाव्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महर्षि दयानन्द सरस्वती का परिचय लिखते हुए निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें-

   महात्मनां ब्रह्मविदां तपोजुषां क्व सिन्धुगम्भीरचरित्रमुन्नतम्।
   तरंगिणीसन्तरणैकहेतुका क्व चाल्पनौकेव मदीयशेमुषी।।

2. योगार्षिगौरवम् के अनुसार स्वामी रामदेव जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. वैद्यर्षिगौरवम् के रचनाकार का उल्लेख करते हुए आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के गुणों का वर्णन कीजिए।

4. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

   माता सा ममतामयी सहृदया देवी सुमित्रापि च
   तत्पुत्रप्रसवेन दिव्यममृतं प्राप्नोत् पुराचिन्तितम्।
   स्वोत्संगे खलु पारिजातकतरोः प्राप्तेः सुखञ्चान्वभूत्
   प्रास्नासीद् विस्मृतात्मकष्टविसरा हर्षप्रकर्षाम्बुधौ।।

5. श्रीभक्तफूलसिंह द्वारा किए गए समाजसेवा के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. निम्न गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए-

अत एव अस्मच्चरित्रनायकः पूर्वजन्मनो भव्यसंस्कारैरेतज्जन्मनः सत्संगैश्च प्रेरितः शीघ्रमेव गृहस्थाश्रमाद् विरज्यात्मनिरीक्षणार्थमुन्मनाः समजनि। गृहस्थधर्मं पालयत एवास्य शनैः-शनैः सांसारिकभोगेभ्यो निवृत्तिः संजाता।

7. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

अशेषविद्याध्ययनाय भारते स्थले स्थले योगिगुरोः कुलं बभौ।
पृथक् पृथक् बालकबालिकागणैर्व्रतार्थिभिर्ब्रह्ममनोभिरन्वितम्।।

8. दयानन्ददिग्विजयम् के अनुसार भारत की प्राचीन सामाजिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

9. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

विद्यापिपासुरहमस्मि नु बालकृष्णो वेदादिशास्त्रपठनं मम चैकलक्ष्यम्।
श्रीमत्कृपामृतलवेन च मत्पिपासा शान्ता भविष्यति सुखं व्रजितास्मि मन्ये।।

10. निम्न पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

यन्नाम्नि रामपदमिन्दति पूर्वमर्च्यं पश्चाच्च देवपदमार्षमतं पुराणम्।
योगर्षिराप्तपुरुषः स हि रामदेवो जातोऽस्ति मेऽत्र विषयः कवनाय दिव्यः।।

11. पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से किसी एक श्लोक को अर्थ सहित लिखिए। (प्रश्न-पत्र के अतिरिक्त)

12. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

मन्दं मन्दं ठुमकठुमकं जानुयुग्माश्रयेण, गामं गामं परिजनगणग्राममचेतांसि तावत्।
हारं हारं पथि पथि मुदा, प्रेमवात्सल्यगंगा, यः प्रावाक्षीत् शिशुसुरवरं नौमि तं कान्तिकान्तम्।।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-GE-405

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2024

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
साहित्यम्, प्रश्न-पत्र : पंचमपत्रम्
प्रतिष्ठित कवि अध्ययन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. भासस्य नाटकचक्रे कति कृतयः अन्तर्गताः भवन्ति? तासामुल्लेखपूर्वकं प्रत्येकं संक्षिप्तं परिचयं प्रददातु।
2. 'कविकुलगुरु' इत्यस्य उपाधेः याथार्थ्यं प्रतिपाद्य कालिदासस्य कृतीनां विषये परिचयः प्रदीयताम्।
3. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' इत्यस्य कोऽर्थः? सप्रसङ्गं सोदाहरणं च व्याख्यायताम्।
4. कल्हणस्य कालः, स्थानं तथा जीवनविषये सूचनापूर्वकं 'राजतरङ्गिणी' काव्यस्य ऐतिहासिकं महत्त्वं प्रतिपादयतु।
5. सत्यव्रतशास्त्रिणः अथवा राधाबल्लभत्रिपाठिनः कृतीनां विषये सम्यक् सूचनां प्रदाय विदुषः समयस्तथा उपलब्धिविषये सूचयतु।

खण्ड–ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. 'भारवेरर्थगौरवम्' इत्यस्य सप्रसङ्गमर्थं लिखतु।
7. रेवाप्रसादद्विवेदी-महाभागस्य किं विशिष्टमवदानम्?
8. राजशेखरस्य काः कृतयः? तासु काव्यमीमांसायाः किं वैशिष्ट्यम्?
9. 'महाकविर्महाविद्वान् एको भर्तृहरिर्मतः' इत्यस्य कोऽर्थः?
   भर्तृहरिविषये एतावान् आदरः किमर्थः? किं वैशिष्ट्यं च कवेः?
10. भट्टिकवेः कृतिं पाण्डित्यं च सोदाहरणं विशदयत।
11. जयदेवस्य रचना तथा वैशिष्ट्यविषये किं भवान् जानाति?
12. 'नैषधं विद्वदौषधम्' इत्यस्य कोऽर्थः, सोदाहरणं प्रस्तूयताम्।

----------x----------